Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

10

मुरारि

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

"स्कैन्ड / Scanned"

मुनि-वंश

10

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

अवस्थी प्रमुख (मुंशी) रेहा - एपवेली

बालगोविन्द गणेशप्रसाद

चंदीदान	पुयागदत्त	शिवरतनलाल
	विश्वेश्वर	जगन्नाथ
	ब्रह्मानंद	

हनुमानप्रसाद	रामकृष्ण	रघुनन्दन	जगदम्बाप्रसाद
शिवप्रसाद	रामगोपाल		
चंद्रपाठि			

वेन्दकुमा	योजनुकुमा	महावी	उतो
1	2 3	कृष्णाशंका	गुरुप्रसाद

तुर्पकुमा

1 2 3 4

वंशीधा	चन्दुप्रकाश	चन्दुधा	चन्दुमणि

अशोककुमा संतोषकुमा प्रमोदकुमा सुधीरकुमा

Digitization by American Academy of Indic Studies, AAIS(USA)

(उदीच्य)

शिवलाल — जनक

नंदराम

शिवनाथ

रामनारायण

वेनीमाधो

कृष्णदत्त

जगदीशप्रसाद

देवदत्त

कृपाशंकर

रामदत्त

शिवशंकर

हरीशंकर

रविशंकर

कृष्णशंकर

रामेश्वर

उमादत्त

देवीशंकर

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

मुरारि के पुत्र २, उर्वीधर १, क्षेमराम २।

उर्वीधर अरु क्षेम जू दोनों भाय प्रधान।
इन के वंश अनेक हैं को कवि करै बखान॥

कवित - मंजुल मुरारि लों मुरारि मति धाम प्रबल प्रकाम धाम धवल धुधात है।
प्रभाकर को तेज तपनीय तोल डोलमहि माहिं मण्डल अखण्ड अलगात है।
ताके धाम युगुल ललाम लोंने क्षेम राम नाम अरु उर्वीधर ख्यात है।
क्षेमराम नाम के प्रसंत कुल काम गाऊं छायो महि मण्डल विभात गुणगात है॥

उर्वीधर -

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

क्षेमराम के पुत्र १, सोमेश्वर, १।

सोमेश्वर के पुत्र ३, नयन १, नंदलाल २, शंभूनाथ ३।

नयन -

नंदलाल

यह स्थान - बनवरिया - प्रान्त - गोंडा से स्थान - कैथोलिया (ए० चौरीचौरा) प्रान्त - गोरखपुर गये।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

शंभूनाथ के पुत्र २, बोधे १, प्रहलाद २।

दत्त-क्षेमराज सुत के प्रसूत युग बाल ग्वाल बोधे बुध बाद प्रहलाद परसोहे हैं।

भायप सोहावनि प्रभूति युग पावनि भे यश उमगावनि पुनीति प्रीति पोहे हैं।

परम प्रशांत दांत सहज सुशील होऊ विगत विवाद विधि लिखिनि सुजोहे हैं।

त्यागि बनवासिया प्रहलाद गे दुरौली बीच बोधे सुखरास बास कुंस की सोहे हैं॥

बोधे के पुत्र १, सुखलाल २।

~ सुखलाल ~

यह प्रान्त-गाजीपुर में भगवन्तराय रावीचो के यहां सैनिकों में किसी ग्रच्छे पद पर थे।

यवन बादशाह दिल्लीश्वर - - - से २२ लड़ाइयां हुईं। ग्रन्तिवारी लड़ाई में यह वीर गति को प्राप्त हुये।

दोहा- क्षत्रिन को सहाय करि ग्राप गयो कैलाश।

पीठि दई नहिं शत्रु को कीन्हयो सुयश प्रकाश॥

कवित्त - परम धुरीण धीर वीर वर बांको बली साक जग छाक धाक ग्रति उर साल है

कर कर वाल आल लाल विकराल चख क्रोध्र सब काल युद्ध यमक विशाल है

हींसत हय ग्रायो यह ग्रपनो ग्रपूर्व पायो सुधि वाहन भगायो भय सकल भुग्राल है

समर नृशाल है कराल रण शूल अलो कीरति विशाल सुखलाल बोधे लाल है

सुखलाल के पुत्र २, मंसाराम १, ऋषिनाथ २।

मंसाराम के पुत्र २, मोहनलाल १, ग्रयोध्याप्रसाद २।

मोहनलाल के वंश नहीं चला।

ग्रयोध्याप्रसाद के पुत्र २, रामदीन १, देवदत्त २।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

रामदीन के पुत्र १, बलभद्र १।

बलभद्र के वंश नहीं चला।

देवदत्त के पुत्र १, विश्वेश्वर १।

विश्वेश्वर

यह स्थान - कुंसा प्रान्त - रायबरेली से स्थान - डिघौर प्रान्त - रायबरेली गये।

विश्वेश्वर के पुत्र १, लक्ष्मीनारायण १।

लक्ष्मीनारायण के पुत्र ३, जगदीश १, रामचरन २, शिवमोहन ३।

जगदीश

यह स्थान - डिघौर प्रान्त - रायबरेली से स्थान - पुरहड़या - प्रान्त - लखनऊ गये।

रामचरन के पुत्र ३, दयाशंकर १, शिवशंकर २, रामप्रासरे ३।

शिवमोहन के पुत्र ३, गिरिजाशंकर १, कृपाशंकर २, गणेशशंकर ३।

ऋषिनाथ के पुत्र २, सूर्यमणि १, शीतलप्रसाद २।

सूर्यमणि के पुत्र ३, ठाकुरप्रसाद १, लल्लू २, शिवदीन ३।

ठाकुरप्रसाद के पुत्र १, विष्णु १।

विष्णु के वंश नहीं चला।

लल्लू के पुत्र १, मदारीलाल १।

मदारीलाल

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

ह स्थान-कुंसा प्रान्त-रायबरेली से किसी अज्ञात जगह दक्षिण चले गये।

ावदीन के पुत्र ४, गंगाबकस १, शिवरावनलाल २, गोरेलाल ३, प्रयागदत्त ४।

गाबकस के पुत्र ३, कल्लू १, छेदीलाल २, गौरीशंकर ३।

ल्लू के पुत्र १, चक्रपाणि १।

क्रपाणि के पुत्र १, शंभूनाथ १।

शंभूनाथ के वंश नहीं चला।

छेदीलाल के पुत्र ३, मिश्रीलाल १, रामरावन २, शिवसेवक ३।

मिश्रीलाल के पुत्र ७, दुलारेप्रसाद १, बद्रीप्रसाद २, लालताप्रसाद ३, रामनाथ ४, जगमोहन ५, गंगारतन ६, गंगासेवक ७।

ये। दुलारेप्रसाद बद्रीप्रसाद लालताप्रसाद

ह तीनों भाई स्थान-कुंसा-प्रान्त-रायबरेली से स्थान-सेहगौं-तमनपुर-प्रान्त-रायबरेली गये।

दुलारेप्रसाद के पुत्र १, काशीप्रसाद १।

काशीप्रसाद के वंश नहीं चला।

बद्रीप्रसाद के पुत्र २, चन्द्रभूषण १, शिवपाल २।

लालताप्रसाद के पुत्र ३, बाबूराम १, गंगाप्रसाद २, हरिप्रसाद ३।

बाबूराम के पुत्र २, शंकरलाल १, वीरेन्द्र कुमार २।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

रामनाथ के वंश नहीं चला।

जगमोहन के पुत्र १, गंगाविष्णु १।

गंगाविष्णु के पुत्र ३, अश्विनीकुमार १, नंदकुमार २, कृष्णकुमार ३।

गंगारतन

यह स्थान कुंसा प्रान्त रायबरेली से ..... नासिक गये।

गंगारतन के पुत्र २, सूर्यप्रसाद १, नारायण २।

गंगासेवक के वंश नहीं चला।

कवित्त- बुन्सा शुभ बस्यो सुवे अवध बीच तामें शिवसेवक हरि सेवक कहाये है
छाड़ि दीनो ग्राम जाय जंगल अराम कीनो वन्दि कै गणेश हरि भक्ति में भुलाये है
घूम्यो सब धाम त्यागि सन्तन अनन्त मिलि सांचो करि नातो नाम पती को धराये है
जगनि कै विकार परिवार हू न भायो नेक प्रबल हरि नाम रटि राम को रमाये है॥

दोहा- वेद विहित सब कर्म करि धाम दीन निज त्याग।
युगल पुत्र भे सुभग वर वनहिं गये नप लागि॥

शिवसेवक के पुत्र २, कामताप्रसाद १, चन्द्रिकाप्रसाद २।

कामताप्रसाद

यह स्थान-कुंसा प्रान्त-रायबरेली से स्थान-बाजेयई खेरी प्रान्त-रायबरेली गये।

कामताप्रसाद के पुत्र १, गहरेश्वर १।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

हरेश्वर के पुत्र १, शिवशंकर १।

निन्दूकाप्रसाद के वंश नहीं चला।

शिवशंकर के पुत्र २, विन्दादीन १, नारायण २।

विन्दादीन, नारायण के वंश नहीं चला।

रावणावनलाल के पुत्र १, शिवमंगल १।

शिवमंगल के पुत्र ५, रामलाल १, बलदेवप्रसाद २, शिवनाथप्रसाद ३, शिवाधार ४, शिवचरनलाल ५।

रामलाल के पुत्र २, राधेलाल १, हरिगोविन्द २।

राधेलाल के पुत्र ३, रामशंकर १, दयाशंकर २, कृपाशंकर ३।

रामशंकर के पुत्र ३, तुलसीदास १, कृष्णकुमार २, जयगोपाल ३।

तुलसीदास के पुत्र १, जयशंकर १।

दयाशंकर के पुत्र १, शिवशंकर १।

कृपाशंकर के पुत्र १, गयाशंकर १

गयाशंकर

यह स्थान-कुंसा प्रान्त-रायबरेली से स्थान-बाजपेमिरखेरे प्रान्त-रायबरेली गये।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

हरिगोविन्द के पुत्र २, हरिहरप्रसाद १, रामानन्द २।

हरिहरप्रसाद के पुत्र ३, कृष्णानन्द १, सदानन्द २, पवनकुमार ३।

बलदेवप्रसाद के पुत्र १, गयाप्रसाद १।

गयाप्रसाद के पुत्र २, राजकिशोर १, हरिकिशोर २।

राजकिशोर के पुत्र १, शंकरदयाल १।

हरिकिशोर के पुत्र २, दुर्गाशंकर १, कालीशंकर २।

शिवनाथप्रसाद के पुत्र १, श्यामसुन्दर १।

श्यामसुन्दर के वंश नहीं चला।

शिवाधार शिवचरनलाल के वंश नहीं चला।

गोरेलाल के पुत्र १, उजागर १।

उजागर के वंश नहीं चला।

प्रयागदत्त के वंश नहीं चला।

शीतलप्रसाद के पुत्र ३, महासुख १, निधान २, देवीप्रसाद ३।

महासुख के वंश नहीं चला।

निधान के पुत्र १, बालगोविन्द १।

बालगोविन्द के पुत्र २, जयगोपाल १, शिवनारायण २।

जयगोपाल के पुत्र २, जगदीशनारायण १, चन्द्रशेखर २।

जगदीशनारायण के पुत्र ३, गिरीशनारायण १, सत्यनारायण २, रामनारायण ३।

गिरीशनारायण के पुत्र ३, रामदास १, रामगोपाल २, मन्नूलाल ३।

सत्यनारायण के वंश नहीं चला।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

मनारायण के पुत्र १, श्रीनारायण २।

न्द्रशेखर के वंश नहीं चला।

शिवनारायण

ह स्थान - कुंसा प्रान्त - रायबरेली से स्थान - चिलौला प्रान्त - रायबरेली गये।

ोवनारायण के पुत्र १, गंगाविष्णु २।

गाविष्णु के पुत्र २, आदित्यनारायण १, जयगोविन्द २।

र्वप्रसाद के पुत्र १, लोधीप्रसाद १।

ोधीप्रसाद के पुत्र १(चंडीप्रसाद)२। चन्द्रिकाप्रसाद १।

विन - वेद निधि वसु शशि सम्वत विशुद्ध मास पौष सित सुभग प्रकाश शशि सोहैं री
चौथि पुनीत रवि वासर प्रमोद बढ़्यो काढ़्यो रतना कांते सुत मास जो हैं री
सिद्ध योग पाये त्यों धनिष्ठा ऋक्ष उच्छ उपाये कांत प्रकाश वास चरण धरो हैं री
बालक लालम छवि धाम गुण ग्राम गायो चंडिकाप्रसाद अभिराम नाम मो हैं री॥

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

कवित्त - कोड़ा कचनार कल केतकी कनैली कुई चम्पक चमेली चम्य चित्रित कतारी है।
गहव गुलाव गुलदावदी गुल्ची गोल मञ्जु महतान वेलि विविध वगारी है।
श्यमल श्यगस्त दल कमल कुमुद काली कांतिल कोरैया के सौंया कतारी है।
जावा जारी अरु जूतिका उज्यारी भारी चन्द्रिकाप्रसाद श्यस कीन फुलवारी है॥१॥
जम्ब जम्बीर जीर जमंद जमाये जाति भांति भांति भाये भारे मानत भुवारी है।
श्रीफल सरीफा सेव सन्ना सुभग साजे श्यमित श्यनार है कता कचारी है।
लीची कमाव कदम्ब अम्ब मनिम्ब वर विम्ब औ कपित्थ का श्यारी है।
श्यमल श्यंवाणी ताणी सुवेला सवारी भारी चान्द्रिकाप्रसाद अस कीन फुलवारी है॥२॥
मन्दिर मधुर मध्य मञ्जुल महान तान चित्रित विचित्र चारु चमक पसारी है।
कल कल धौतको कंगूरा कमनीय कढ़े श्याते अभिराम सो श्यराम अधिकारी है।
कहै हित रम धाम धवल धुधात धन्य सुखद शरण्य साधु सन्त हिय हारी है।
छकित सुरेश हैं महेश माहे मण्डत में चन्द्रिकाप्रसाद अस कीन फुलवारी है॥३॥
छहकि छय से छटा छवि की अटा पै अड़ी उचकि अटा से श्याम श्यौचक चितै रही।
छहरि छवाली छुकि छटाकि छटा पै छकी लहरे लटा से चाय चावन हितै रही।
मन्दिर अनूप अरु उपवन लता से लटै नटत नटा से चहुं चकृत मितै रही।
चन्द्रिकाप्रसाद श्यस अनुपम अरामं रंगे झम्मित झटा से जाय मन्दिर मितै रही॥४॥
राम रमा सह मन्दिर अन्दर प्रीति पुरन्दर पुञ्ज पगे हैं।
केकय राजसुता सुत शोभित शेष सहोदर साथ सगे हैं।
भट भीम कपीश कौं शिशुता अनुराग विरागन राम रंगे हैं।
हित राम सकाम सराहत हैं चित चाहत उक्ति उछाह उगे हैं॥५॥

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

प्रीति अभिराम प्रेम है विमल विशद वदनीय।
मन्दिर मोल अमोल है तपन ताप तपनीय॥
सीताराम सकाम तंह कीन आप्त आप्तय।
भरत भक्ति जनु देह धरि लषण सहोदर नाम॥

चन्द्रिकाप्रसाद शुचि सहज सुशील धीर वर विदित विशाल बल शाली भो।
सुपथ सुरीति नीति न्यायनति प्रीति पोषी सुमल उछाह आछी उपमा उताली भो।
धर्म कर्म जोये जग याचक समोये सबै मेटे मति धाम मति मज्जत विहाली भो।
सत्य प्रति पाली ज्यों कपाली वन माली नाली काम बल शाली सोऊ सकुचि निहाली भो॥६॥
अप्रमित उछङ्ग रङ्ग रस के रंगीले अङ्ग सुमल सुनंग सुंग उपमा विशाली भो।
प्रीत प्रति पाली जन जांचक निहाली सबै सुन्दर सुखाली शेर संसृत सुमाली भो।
कृपण खुशाली देखि अर्थासु उनाली होत करुणा कृपाली लाली आली जग जाली भो।
सत्य प्रति पाली यो कृपाली वनमाली नाली काम बल शाली सोऊ सकुच निहाली भो॥७॥
उदित मयंक कुल कुमोद प्रफुल्लित ज्यों त्योंही द्विजराज वंश सुभग गनायो है।
कीन्हीं जो कीरति यश छायो महि मंडल में शोभा हरि धाम कलश कलंच लगायो है।
गायो गुण गोविन्द पद पायो योगीश्वर जहां ब्रह्मानन्द आनंद में आनंद मिलायो है।
श्रीं पति सुत सेवक को आशिष दे बार बार चन्द्रिकाप्रसाद नभ दुन्दुभी बजायो है॥

चन्द्रिकाप्रसाद के पुत्र २। लक्ष्मीनारायण १। जगदेवनारायण २।
लक्ष्मीनारायण के पुत्र १। फणीन्द्रनारायण १।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

कर्णान्द्रनारायण के पुत्र २, कन्दर्पनारायण १, सच्चिदानंदनारायण २।

कन्दर्पनारायण के पुत्र २, अवधेशनारायण १, सुरेशनारायण २।

सच्चिदानंदनारायण के पुत्र १, क्रान्तिकुमार १।

जगदेवनारायण के पुत्र २, ईशाननारायण १, शिवब्रह्मनारायण २।

ईशाननारायण के वंश नहीं चला।

शिवब्रह्मनारायण के पुत्र ३, सूर्यनारायण १, चंद्रनारायण २, कमलेशनारायण ३।

चन्द्रनारायण के पुत्र १, शान्तेनारायण १।

प्रहलाद

यह स्थान - बनवरिया प्रान्त-गोंडा से स्थान - छ दौल्ती - प्रान्त - छपरा गये।

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

— विवाह आश्रम —

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

प्राचीन समय में आवसथ्याग्नि की स्थापना पारस्कर सूत्र विहित कर्मकाण्ड के लिये प्राय: ग्राम के बाहर पवित्र भूमि में की जाती थी। उस स्थान को सब लोग आवस कहते थे और प्राय: कोई जन वहीं पर निवास भी किया करते थे। धीरे धीरे आवसथ्या की विशेष ~~अग्नि~~ अर्चना करने के कारण आवसथ्य गृह में रहने वाले आवसथी कहल ये - उसी शब्द का अपभ्रंश वर्तमान समय में अवस्थी होगया है।

रामकुमार अवस्थी मकान नं. ६१
१११
तीताराम मुहाल कानपुर

देवकीनंदन अवस्थी प्रोपेरा
मारवाड़ी कालेज रायगंज
मकान नं. ६६
२६६
देवनगर
रामपुरवा चौकी.
कानपुर

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

A Dictionary in Sanskrit and English:
by H.H. Wilson
Revised by Jagan mohan Tarkalankar
Kshetra Mohan Mookerjee

शाला m. ā: (A village 2 A college 3. A school n. ī A house E nis ati to dwell and शाल affix:
khan which there is no ditch or bank; also

शालिक m. ikā; A college a school see

शालाग्नि m. (ā: ī;) A house 2 a fire temple or place where sacrificial fire is n preserved

शालाजीव m. (ā: ati ī;) Inhabiting a house handsel domestic E शाला and जीव ati

शालावत n. (vī) A house E. शाला and vat added.

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

वसथ: पु. (प्रव+सो+क्थन) छात्रनिलय: इति हेमचन्द्र: पाठशाला-चौपाड़ी यस्य प्रसिद्धि:। ग्राम: इति शब्दरत्नावली। गृह इति हलायुध:॥

वसथ्य: पु. (प्रवसथ+यत्) छात्रवेश्म इति हेमचन्द्र: चौपाड़ा इति भाषा। (चतुष्पाटी = चौपाड़ि)

वसथं क्ली. प्रावसन्ति प्रागत्य वसन्ति प्रस्मिन् (आङ्+वस प्रथच) गृहं इति हेमचन्द्र:। वसति स्थानं। विश्राम स्थानं। अग्निगृहं। अग्निहोत्र स्थानं।

रघुवंशे ८।१४ 'निवसन्नावसथे पुराद्रुहि:'।

मनु ३। ७३ 'आसनावसथौ शय्यामनुव्रज्यामुपासनाम्'।

वसथ: पु. (आवसन्त्यत्र) आ+वस+अधिकरणे प्रथच। गृहं हिलेपदेशे मिलनलोके 'प्रस्ति चम्पकाभिधानं नगर्यां पण्डितब्राह्मणावसथ:' आर्ष कोष:। आर्षो छन्दसो ग्रन्थभेद:। व्रतविशेष: इत्युज्जादिकोष:।

प्रावसथं प्रग्निहोत्र स्थानं तत् प्रस्ति अस्य इति विग्रहे प्रत ठनौ इत्यनेन इनि प्रत्यये अनुबन्धलोपे नौ प्रावसथी इत्यस्य सेत्सिति ×

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)

Digitization by American Academy of Indic Studies. AAIS(USA)